आधे दाम में गन्ना बेचने की मजबूरी

- चीनी मिलों में पेराई शुरू न होने से किसानों की कोल्हुओं पर हो रही लुटाई
- समर्थन मूल्य निर्धारित होने से पहले निजी मिल मालिक गन्ना नहीं खरीदेंगे

जागरण ब्यूरो, लखनऊ : गेहूं बोआई करने के लिए खेत खाली करने की जल्दी में किसान औने-पौने दाम में अपना गन्ना कोल्हुओं पर बेच रहा है। निजी चीनी मिलें समर्थन मूल्य तय न होने तक पेराई शुरू करने को राजी नहीं है। मिल मालिकों और सरकार के बीच रस्साकशी के चलते गन्ना किसानों की खूब लुटाई हो रही है। गत वर्ष के समर्थन मूल्य के आधे दाम में गन्ना बेचना किसानों की मजबूरी हो गया।

इस बेबसी का लाभ कोल्हू संचालक भी उठा रहे है। गन्ना 160 से 190 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीद रहे है और नकद भुगतान न करके एक सप्ताह में तीन किग्रा प्रति क्विंटल कटौती काट कर किसानों को रुपया दिया जाता है। मिलें जल्द चलने के आसार अभी नहीं दिख रहे, जबकि गत वर्ष 28 अक्टूबर को मोदीनगर मिल ने गन्ने की खरीद शुरू कर दी गई थी। शेष अधिकतर मिलें भी नवंबर अंत तक आरंभ हो चुकी थी। इस बार हालात एकदम उलट है। सरकार ने सहकारी मिलों पर दबाव बनाकर नवंबर के दूसरे पखवाड़े में पेराई आरंभ करने का कार्यक्रम जारी कराया परन्तु किसानों को इसका लाभ न मिलेगा।

किसान जागृति मंच के सुधीर पंवार का कहना है कि सहकारी मिलों द्वारा बहुत कम मात्रा में गन्ना खरीद की जाती है। निजी मिलों द्वारा पेराई शुरू करने से बात बनेगी वरना खेतों को खाली करना बड़ी समस्या बनेगा।

उधर बाजार में चीनी का दाम गिरने से मिल मालिक 240 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिक गन्ना मूल्य देने को तैयार नहीं। चीनी मिल एसोसिएशन के सचिव दीपक गुप्ता का कहना है कि गन्ना मूल्य बढ़ाना है तो सरकार मिलों को सब्सिडी दें वरना प्रदेश में चीनी उद्योग को बचा पाना संभव न होगा।

प्रमुख सचिव गन्ना विकास व चीनी उद्योग राहुल भटनागर का दावा है कि जल्द ही समस्या का समाधान होगा।

गन्ना मूल्य	रुपये प्रति क्विंटल
गत वर्ष समर्थन मूल्य :	280-290
इस वर्ष कोल्हू पर दाम :	160-190
नए गन्ना मूल्य की मांग :	327-350

सहकारी मिलों में पेराई शुरू होने की संभावित तारीख

सहारनपुर, मेरठ व मुरादाबाद मंडल- 15 से 20 नवंबर के मध्य।

बरेली व लखनऊ मंडल : 20 से 25 नवंबर के बीच। पूर्वांचल की मिलें: नवंबर के अंत में।

गत पेराई सत्र आरंभ होने की तारीख

28 अक्टूबर 2012- मोदीनगर मिल

अधिकतर निजी व सहकारी मिलों ने 30 नवंबर तक गन्ना पेराई कार्य शुरू कर दिया था।

Dainik Jagaran

7/11/13